झारखण्ड सरकार

झारखण्ड ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन समिति
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग
झारखण्ड, राँची।

प्रेस रिलीज

महिला हिंसा मॉड्यूल पर एसटीटी को दिया जा रहा प्रशिक्षण

महिला हिंसा पर समुदाय को जागरूक करने की जरूरत

रांची : दिनांकः 17/4/15, नामकोम के आई0 पी0 एच0 सभागार में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत संचालित सहिया कार्यक्रम के तहत महिला हिंसा प्रशिक्षण मॉड्यूल पर राज्य प्रशिक्षक दलों (एस0टी0टी0) को पांच दिवसीय प्रशिक्षण दिया जा रहा है। 14 अप्रैल से शुरू हुए इस प्रशिक्षण के पहले बैच में महिला हिंसा के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की जा रही है। इस दौरान सामाजिक कार्यकर्ता सच्ची कुमारी ने कहा कि डायन एक प्रथा नहीं, बल्कि समाज के लिए कलंक है। अधिकतर मामलों में यह देखा जाता है कि इसका निशाना समाज के कमजोर व्यक्ति को बनाया जाता है, जिसके तरफ से कोई विरोध करने वाला न हो और उसकी संपत्ति पर कब्जा जमाया जा सके। इस क्रम में उन्होंने नशाखोरी, जनजातीय संस्कृति, पलायन, बाल विवाह, बहुविवाह आदि विषयों पर विस्तृत रूप से चर्चा की।

इस दौरान राज्य कार्यक्रम समन्वयक अकय मिंज ने कहा कि समुदाय में कई तरह की महिला हिंसा देखी जाती हैं। इन हिंसाओं के विभिन्न रूपों की पहचान करना जरूरी है, ताकि इसे रोकने के लिए समुदाय आगे आए। प्रशिक्षण के माध्यम से सहियाएं जागरूक होंगी और वे समुदाय को भी जागरूक करेंगी। उन्होंने कहा कि हिंसा के प्रति जब महिलाएं जागरूक होंगी तभी वे कानूनी मदद के लिए आगे बढ़ेंगी।

इस अवसर पर राज्य प्रशिक्षण समन्वयक डॉ मनीर अहमद के अलावा राष्ट्रीय प्रशिक्षक दल सदस्य शैलेश कुमार, जसिंता आईंद, ज्योत्सना, शर्मिष्ठा सरकार आदि ने प्रतिभागियों को महिला हिंसा के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला।

नोडल ऑफिसर
आई0 ई0 सी0 कोषांग